

अ.प्र.धारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 341] नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 1, 1973/आश्विन 9, 1895
NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 1, 1973/ASVINA 9, 1895

सं. 341] इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
ORDER

New Delhi, the 1st October 1973

S. O. 536 (2)/14 IDRA/73.—Whereas the industrial undertaking known as Messrs Hind Cycles Limited, Bombay, (Bombay unit) is engaged in the Scheduled Industry, namely, Bicycles and Bicycle chains industry.

And whereas the Central Government is of the opinion that the said industrial undertaking is being managed in a manner highly detrimental to the scheduled industry and to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

- | | |
|--|----------|
| 1. Shri B. G. Roy,
General Manager;
Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta. | Chairman |
| 2. Shri Vijay Kumar, Chief Engineer,
State Industrial & Investment,
Corporation of Maharashtra Ltd., Bombay. | Member |
| 3. Shri B. S. V. Rao, Development Officer,
Directorate General of Technical Development, New Delhi. | Member |

The above body shall submit its report to the Central Government within a period of three weeks from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[No. 2 (16) 73-CUC]
D. K. Saxena, Jt. Secy.

औद्योगिक विज्ञान मंत्रालय

नई दिल्ली

नई दिल्ली, 1 अक्तूबर, 1973

का० आ० 530(अ) /15/आईडीआर ए/73.—यतः मैसर्स हिन्द माइकल्स लिमिटेड, मुम्बई (मुम्बई एका) नामक औद्योगिक उपक्रम अनुसूचित उद्योगों अर्थात् बाइसिकल और बाइस्कल्स चेन उद्योग में लगा है ;

और इतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्धन में चलाया जा रहा है जो अनुसूचित उद्योगों और लोकहित के लिए अन्यायपूर्ण हानिकार है

अतः, अब, उद्योग (विक्रम और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 6) धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस मामले की परिस्थितियों में पूरी तरह से अन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ एक निकाय नियुक्त करती है जिस निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :—

1. श्री बी० जे० राय, —अध्यक्ष

महाप्रबन्धक,
इंडस्ट्रियल रीकंस्ट्रक्शन कारपोरेशन आफ इण्डिया,
लिमिटेड, कलकत्ता ।

2. श्री विजय कुमार, मुख्य अभियन्ता, —सदस्य
स्टेट इण्डस्ट्रियल एण्ड इन्वेस्टमेंट
कारपोरेशन आफ महाराष्ट्र लिमिटेड,
मुम्बई ।

3. श्री बी० एस० बी० राव, —सदस्य
विकास अधिकारी,
महानिदेशालय, तकनीकी विकास,
नई दिल्ली ।

उक्त निकाय इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मप्ताह की अवधि के भीतर अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत करेगा ।

[सं० 2 (16)/73-सी०यू०सी०)]

डी०के० सम्मेलना, संयुक्त सचिव ।